Re-routing of Poona-Miraj railway line

1740. SHRI VISHWASRAO RAMRAO PATIL: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that railway line from Poona-Miraj has been re-routed via Sangli;

(b) whether the proposal to route this line from Miraj to Madhavnagar to Pune has been dropped; and

(c) if so, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) and (b) Yes, Sir.

(c) Constraint of resources and heavy commitments already on hand for New Lines.

Refuelling facilities at the Bhuntar Airport

1741. SHRI ANAND SHARMA: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the inconvenience to passengers due to technical halts in the absence of refuelling facilities at the Bhuntar Airport near Kulu; and

(b) whether any requests have been received for providing refuelling facility at the said airport; if so, the action taken in this regard?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE AND THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI MOTI LAL VORA): (a) and (b) Yes, Sir. This matter has been taken up and is being followed up with the Ministry of Petroleum & Natural Gas and the oil companies.

दिल्ली में चल रही गैर-सरकारी बसें

1742. **श्री शरद यादव :** क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली परिवहन निगम के अन्तर्गत चल रही बसों को हरा दिया गया है यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ख) क्या यह भी सच है कि उन्हें अतिरिक्त राशि के रूप में 250/- रु० प्रतिदिन के हिसाब से दिए जाते हैं और यदि हां, तो इतनी बड़ी राशि दिए जाने के क्या कारण हैं ;

(ग) क्या यह भी सच है कि 1 अप्रैल, 1988 के बाद दिल्ली परिवहन निगम की आय में भारी कमी आ गई है ; और

(घ) यदि हां, तो 15 जनवरी, से 31 जनवरी, 1988 के बीच दिल्ली परिवहन निगम की प्रतिदिन औसत आय कितनी थी और 1 अप्रैल, से 15 अप्रैल 1988 के बीच प्रतिदिन औसत आय कितनी रही ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट) : (क) और (ख) दिल्ली परिवहन निगम के कर्मचारियों की 17-3-88 से हुई हड़ताल से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए निजी बसों के किलोमीटरेज प्रचालन की पद्धति को विशेष प्रबन्ध में परिवर्तित कर दिया गया था क्योंकि दिल्ली परिवहन निगम के पास कोई कंडक्टर सुलभ नहीं था । इस विशेष प्रबंध के तहत निजी प्रचालकों को दिल्ली परिवहन निगम द्वारा जारी किए गए पासों को मान्यता देने के लिए प्रतिपूर्ति के रूप में प्रति दिन 200 रु० का भुगतान किया जाता है, यद्यपि ऐसी बसों के ड्राइवरों को प्रतिदिन दिया जाने वाला 50 रु० का प्रोत्साहन 5-4-1988 से बन्द कर दिया गया है ।

(ग) और (घ) जी, नहीं । दिल्ली परिवहन निगम की 15-1-1988 से 31-1-1988 तक की अवधि की औसत दैनिक आय 26.92 लाख रु० थी जबकि 1-4-88 से 15-4-88 तक की अवधि की